उडान उन्नति की ओर

में यशोदा बाई पति श्री परसराम पन्द्राम उम्र 34बर्ष ग्राम खिरैटी तहसील तामिया जिला छिन्दवाडा की निवासी हूॅ। मेरे परिवार मे मेरे पति व तीन लडकी है। मेरा सपना था कि मैं जिस परिवार में शादी होकर जाउ उस परिवार व अपने पति की आर्थिक आवक में कुछ योगदान दे सकुॅ। जिससे मेरे परिवार और अपनी पति की नजर मे अपना एक स्थान निष्चित कर सकु। लेकिन शादी के बाद मुझे पता चला कि जो स्थिति मेरे मायके की थी और मेरे ससुराल की स्थिति में कोई अन्तर नही था। मेरे पति ही अकेले घर के एकमात्र कमाने वाले थे जिनके उपर अपने परिवार की पूरी जिम्मेदारी थी। मेरे परिवार की स्थिति और गम्भीर हो गई जब मेरे पति का स्वास्थ्य अचानक गभीर बिमारी से ग्रसित हो गये और वे बिस्तर पर पड गये इससे मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति और खराब हो गई। घर मे इतने बडे परिवार का खर्च चलाना बडी मुष्किल हो गया। हमारे पास आजीविका का साधन केवल मजदुरी व बटाई से खेती करने के अलावा और कोई विकल्प नही था। ऐसी स्थिति मे मै जीवन के प्रति निराष हो चुकी थी और मेरे चारो तरफ निराशा ही निराशा थी। अब मुझे एक दृडः संकल्पित होकर अपने आत्मविष्वास का बटोरना था। मुझे अपने आप को साबित और सपने को साकार करना था।

अब मुझे मेरी राह तह करनी थी और मुझे मेरी मंजिल मे पहुॅचना था। इसी दौरान सन् 2012 मे हमारे ग्राम मे नागेष्वरा चेरीटेवल ट्रस्ट के माध्यम से बाडी परियोजना का प्रारंभ हुआ जिसमे भूमिहीनो को भी आर्थिक मदद देकर उनका आजीविका का साधन सुदृढ करना था। मुझे यह जानकारी गाम नियोजन समिति के माध्यम से प्राप्त हुई। उसके बाद मैने तत्काल वहॉ के समन्यवक व कार्यकर्ता से सम्पर्क कर इस योजना के सम्बन्ध मे जानकारी प्राप्त कर समझ बनाई। मेने अपने परिवार व पति से सलाह कर इस योजना से जुडी जिसके फलस्वरूप मुझे जलपान ग्रह के लिये आर्थिक मदद जो कि (राशि 12000/–) दी गई। ग्राम मे जलपान ग्रह खुलजाने से ग्राम बासियो एवं अन्य राहगीरो को सेवा मिलने लगी और मेरी दुकान अच्छी चलने लगी। साथ– साथ मैने अपनी दुकान मे किराना का सामान भी रखने लगी। मुझे अच्छी आमदानी होने लगी। इस तरह मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरने लगी और हमने अपने छोटे देवर की भी शादी कर दी। अब देवर भी मेरे कार्यं मे हाथ बटाता है। उसे भी मैने स्वरोजगार से जोड दिया व समाज मे अच्छा स्थान बना लिया।

परियोजना द्वारा दी उस आर्थिक मदद से मेरे जीवन की निराशा को आशा मे बदल दिया। आज मेरे पति और मेरा परिवार मे मेरा बहुत सम्मान है। यदि परियोजना मेरी सही वक्त मे मदद नही करती तो यह सब सम्भव नही हो पाता।

****